

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की मुलाकात, विभिन्न विषयों पर चर्चा

एजेंसी श्रीनगर। जम्मू—कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को यहां उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि अब्दुल्ला पूर्वाह्न करीब 11 बजे सिन्हा से मिलने लोक भवन पहुंचे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के उपराज्यपाल के साथ जम्मू—कश्मीर में शासन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने की संभावना है। अधिकारियों के अनुसार, सिन्हा स्वास्थ्य संबंधी कारणों से केंद्रशासित प्रदेश से बाहर थे और बृहस्पतिवार को जम्मू—कश्मीर लौटे थे। उन्होंने बताया कि बैठक के बारे में विस्तृत जानकारी अभी नहीं मिल पाई है।

राजस्थान में दर्दनाक सड़क हादसा, ट्रक से भिड़ी कार, छह लोगों की मौत की पुष्टि पुलिस ने की

एजेंसी जयपुर। राजस्थान में सादुलपुर कस्बे के पास शनिवार सुबह हुए सड़क हादसे में एक बच्चे समेत छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतकों में से पांच लोग एक ही परिवार के हैं। पुलिस के अनुसार, ददरेवा—तारानगर सड़क मार्ग पर यह हादसा उस समय हुआ, जब एक तेज रफ्तार कार आगे जा रहे ट्रक से टकरा गई। उसने बताया कि कार में सात लोग सवार थे जिनमें से चालक समेत छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतकों में दो पुरुष, तीन महिलाएं और एक बच्चा शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, ये लोग तारानगर के सोमसीसर गांव से एक मंदिर में दर्शन करने जा रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और कार में फंसे लोगों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। उसने बताया कि हादसे में घायल हुई एक बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

12वीं मंजिल से गिरकर 13 वर्षीय बच्चे की मौत

एजेंसी ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर थाना क्षेत्र स्थित डिजाइन आर्च सोसायटी में शनिवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई। यहां 13 वर्षीय बच्चे की संदिग्ध परिस्थितियों में 12वीं मंजिल से गिरकर मौत हो गई। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बच्चा किन परिस्थितियों में गिरा। बच्चे की पहचान 13 वर्षीय रणविजय ढाका के रूप में हुई है। हालांकि, वह किन परिस्थितियों में नीचे गिरा, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस फुटेज और घटनास्थल से जुड़े अन्य तथ्यों के आधार पर मामले की पड़ताल कर रही है। जांच के दौरान यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि घटना दुर्घटनावाश हुई या इसके पीछे कोई अन्य कारण था।

अपराधी कितना भी डीपफेक का आवरण ओढ़े, उसे खोज निकालेंगे-योगी

एजेंसी लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डीपफेक जैसी तकनीकों के दौर में अपराधी कितना भी तकनीक का आवरण ओढ़ ले, उत्तर प्रदेश की वैज्ञानिक और विधिक क्षमता उसे खोज निकालेंगी। एआई हमारे लिए मददगार हो सकता है, लेकिन उसे निर्णायक नहीं बनना चाहिए। तकनीक का संचालन मानव विवेक से होना चाहिए, न कि मनुष्य तकनीक के विवेक पर निर्भर हो जाए। पूरी तरह एआई पर निर्भरता भविष्य में संकट बन सकती है। वैज्ञानिक साक्ष्यों, फॉरेंसिक जांच और आधुनिक तकनीक के समन्वय से अपराध अनुसंधान को प्रभावी बनाने के साथ न्याय मिलने में होने वाली देरी को भी कम किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री शनिवार को लखनऊ स्थित उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शटेक संगम 2026र को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने क्वांटम फॉरेंसिक्स और विधिक अनुपालन के क्षेत्र में कार्य करने वाले श्लेक्सो सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का शुभारंभ किया। उन्होंने कंसेंट मैनेजमेंट पोर्टल लॉन्च किया, श्रमेट्श परियोजना की आधारशिला रखी और शएआई इन कंस्ट्रक्शनर पुस्तक का विमोचन भी किया। सम्मेलन में साइबर सुरक्षा, डिजिटल साक्ष्य, क्वांटम कंप्यूटिंग, फॉरेंसिक विज्ञान और एआई के न्यायिक व

प्रशासनिक उपयोग पर विशेषज्ञों ने विचार साझा किए। मुख्यमंत्री ने बताया कि करीब 100 एकड़ की जिस जमीन पर आज विश्वस्तरीय फॉरेंसिक संस्थान खड़ा है, उस पर कभी लखनऊ के एक बड़े भू—माफिया का कब्जा था। उस समय पुलिस भी इस मामले में प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पा रही थी। वर्ष 2017 में पुलिस अधिकारियों से इसकी जानकारी



मिलने के बाद जांच कराई गई और भू—माफिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई। दूसरी एफआईआर दर्ज होते ही उसने आत्मसमर्पण कर जमीन छोड़ दी। फॉरेंसिक विज्ञान उपयोगिता समझाते हुए मुख्यमंत्री ने लोकप्रिय टीवी सीरियल रशीआईडीश का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि पहले लोग टेलीविजन पर देखते थे कि एक फाल या फिंगरप्रिंट के आधार पर अपराधी तक कैसे पहुंचा जाता है। सीएम योगी ने एक माफिया सेंटर क्लस्टर विकसित करने की लेकिन साक्ष्यों के अभाव और डीएनए

सैंपल नष्ट होने के कारण उसे वर्ष 2022 में 42 साल बाद सजा मिल सकी। नए आपराधिक कानूनों के तहत सात वर्ष से अधिक की सजा वाले अपराधों में फॉरेंसिक साक्ष्य जुटाने पर विशेष जोर दिया गया है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए प्रदेश की सभी 18 पुलिस रेंजों में फॉरेंसिक लैब विकसित की जा रही हैं। इनमें 12 लैब तैयार हो चुकी हैं,

जबकि छह अन्य अंतिम चरण में हैं। यूपीएसआईएफएफ की लॉ विद लैब्स यानी कानून और प्रयोगशाला के समन्वय की अवधारणा को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि विज्ञान और कानून उपयोगिता समझाते हुए माफिया को एक—दूसरे का पूरक बनना होगा। वैज्ञानिक जांच की विश्वसनीयता और विधिक प्रक्रिया के अनुरूप साक्ष्यों का उपयोग न्याय व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाता है। राज्य सरकार का लक्ष्य वर्ष 2030 तक प्रदेश में पांच मीगावाट डेटा सेंटर क्षमता विकसित करना है। इसके लिए पांच बड़े डेटा सेंटर क्लस्टर विकसित करने की दिशा में भी काम किया जा रहा है।

भारत आएंगे लिकटेस्टाइन के युवराज एलोइस, रविवार से शुरु होगी चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा

एजेंसी नयी दिल्ली। लिकटेस्टाइन के युवराज एलोइस व्यापार एवं निवेश, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए रविवार से चार दिवसीय भारत यात्रा पर रहेंगे। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि इस छोटे यूरोपीय देश के शासन प्रमुख युवराज एलोइस के साथ उनकी पत्नी राजकुमारी सोफी और प्रमुख उद्योगपतियों का एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी भारत आएगा। विदेश मंत्रालय के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और युवराज एलोइस के बीच द्विपक्षीय बैठक होगी

धन शोधन मामले में अदालत का बड़ा आदेश, रासीन मलिक और इंजीनियर रशीद समेत सात के खिलाफ मुकदमा चलेगा

एजेंसी नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने जेल में बंद अलगाववादी नेता रासीन मलिक, बारामूला के सांसद शेख अब्दुल रशीद एंड इंजीनियर रशीद और पांच अन्य आरोपियों के खिलाफ जम्मू—कश्मीर में



अलगाववादी गतिविधियों के लिए हवाला के जरिए पाकिस्तान से कथित तौर पर धन प्राप्त करने से जुड़े धन शोधन मामले में मुकदमा चलाने का आदेश दिया है। विशेष न्यायाधीश प्रशांत शर्मा ने आरोपियों के अपराध में शामिल होने का मजबूत संदेह व्यक्त करने के लिए रिकॉर्ड पर पर्याप्त सामग्री पाते हुए सात आरोपियों के खिलाफ धन शोधन निवारण अधि

नियम (पीएमएलए) के तहत आरोप तय करने का आदेश दिया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का आरोप है कि आरोपियों ने विभिन्न माध्यमों से 8.94 करोड़ रुपये की अपराध से आय अर्जित की, प्राप्त की, अंतरित की, छिपाई, अपने अधिकार में रखी और

उसका इस्तेमाल किया। आरोपियों में प्रतिबंधित जम्मू—कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के प्रमुख रासीन मलिक, अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह, बारामूला के सांसद शेख अब्दुल रशीद, मसरत आलम, जहूर अहमद शाह वटाली, नवल किशोर कपूर और मैसर्स ट्रिस्न फार्म्स एंड कंस्ट्रक्शंस प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। ईडी का मामला राष्ट्रीय



करेंगे। राष्ट्रपति उनके सम्मान में आधिकारिक रात्रिमोज का आयोजन करेंगी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी युवराज एलोइस से मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा, विशेष रूप से 2025 में भारत—ईएफटीए व्यापार

एवं आर्थिक भागीदारी समझौते (टीईपीए) के लागू होने के बाद से इस यात्रा से भारत और लिकटेस्टाइन के बीच बढ़ते संबंधों को और गति मिलने की उम्मीद है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, यह यात्रा भारत और लिकटेस्टाइन के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को और प्रगाढ़ करने तथा आपसी हित के नए क्षेत्रों में साझेदारी विकसित करने का अवसर प्रदान करेगी। करीब 16 वर्षों तक चली बातचीत के बाद भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संध (ईएफटीए) के बीच मार्च 2024 में टीईपीए पर हस्ताक्षर किए गए थे।

मनोज जरांगे के ऑडियो से महाराष्ट्र की सियासत गरमाई, फड़णवीस ने दिए जांच के आदेश, भाजपा ने संजय राउत पर लगाए आरोप

एजेंसी मुंबई। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे पाटिल से जुड़ी कथित ऑडियो विलप ने राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। विलप में कथित तौर पर 500 करोड़ रुपये दिए जाने की बात सामने आने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), शिवसेना और विपक्षी दलों के बीच आरोप—प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए ऑडियो की फॉरेंसिक जांच कराने के आदेश दिए हैं। वहीं, शिवसेना नेता रामदास कदम ने आरोप लगाया कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को राजनीतिक रूप से कमजोर करने की साजिश रची जा रही है। भाजपा ने भी इस विवाद के पीछे विपक्षी नेताओं की कथित भूमिका पर सवाल उठाए हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि कथित ऑडियो से जुड़े कई सवालों के जवाब तलाशना जरूरी है। उन्होंने सवाल उठाया कि करीब ढाई साल पुरानी बताई जा रही बातचीत अब अचानक सार्वजनिक क्यों हुई और इसके पीछे किसका उद्देश्य हो सकता है। फडणवीस के मुताबिक, एकनाथ शिंदे

एजेंसी भोपाल। मध्य प्रदेश के देवास जिले में 20 दिनों में हुई 13 मौतों को लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने राज्य की मोहन यादव सरकार पर हमला बोला है। उनका आरोप



है कि यह मौतें जहरीली शराब से हुई हैं और सवाल उठता है कि राज्य में बड़े मगरमच्छों पर कारवाइ कब होगी। वहीं प्रशासन आरोप को नकार रहा है। दरअसल, देवास जिले के चंदाना गांव और बिंजाना गांव में

27 सितंबर से 16 अक्टूबर के बीच 13 लोगों की मौत हुई है। परिजनों का आरोप है कि शराब पीने के बाद उल्टी हुई, चक्कर आए और आंखों की रोशनी कम हो गई। बाद में मौत हो गई। प्रशासन इन आरोपों को

नकारते हुए मौत के कारण अलग—अलग बता रहा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं अरुण यादव ने देवास की घटना को लेकर सरकार पर सवाल उठाए हैं और कहा है कि बड़े मगरमच्छों पर कब होगी कार्यवाही?

नोएडा में रायपुर मंदिर के पीछे खाने की दुकानों में लगी भीषण आग, सिलेंडर ब्लास्ट से मचा हड़कंप

एजेंसी नोएडा। नोएडा में थाना सेक्टर—126 क्षेत्र के अंतर्गत रायपुर मंदिर के पीछे खाने—पीने की दुकानों में आग लगने से इलाके में अफरा—तफरी मच गई। आग की चपेट में चार से अधिक दुकानें आने की सूचना है। बताया जा रहा है कि दुकानों में आग लगने के दौरान सिलेंडर ब्लास्ट भी हुआ, जिसके बाद आसपास मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस बल मौके पर पहुंच गया और स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास शुरू कर दिए गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रायपुर मंदिर के पीछे खाने—पीने की कई दुकानें संचालित हैं। शनिवार को इन दुकानों में अचानक आग लग गई। आग ने देखते ही देखते आसपास की चार से अधिक दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। दुकानों में रखे सामान और खाना बनाने में इस्तेमाल होने वाले गैस सिलेंडरों के कारण आग की स्थिति गंभीर होने की आशंका जताई गई। इसी दौरान सिलेंडर ब्लास्ट होने की सूचना से मौके पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। घटना के बाद आसपास के क्षेत्र में

लोगों की भीड़ जुटने लगी। आग की लपटों और सिलेंडर ब्लास्ट की आशंका को देखते हुए मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्काल लोगों को घटनास्थल से पीछे हटना शुरू कर दिया, ताकि किसी प्रकार की जनहानि न हो और राहत एवं बचाव



कार्य में बाधा उत्पन्न न हो। पुलिस द्वारा आसपास मौजूद लोगों को सुरक्षित दूरी पर रहने के लिए कहा गया। थाना सेक्टर—126 क्षेत्र में हुई इस घटना के बाद स्थानीय पुलिस बल मौके पर मौजूद है। पुलिसकर्मी घटनास्थल के आसपास सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने और लोगों को आग से

प्रभावित क्षेत्र से दूर करने में जुटे हैं। आग लगने के कारण आसपास की दुकानों और वहां मौजूद लोगों की सुरक्षा को लेकर भी सतर्कता बरती जा रही है। खाने—पीने की दुकानों में गैस सिलेंडरों का इस्तेमाल होने के कारण आग तेजी से फैलने की आशंका

के नेतृत्व वाली शिवसेना के प्रतिनिधि।मंडल ने उनसे मुलाकात कर मामले की जांच कराने की मांग की थी। भाजपा और मनोज जरांगे की ओर से भी जांच की मांग किए जाने की बात सामने आई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि फॉरेंसिक जांच के जरिए

नेता रामदास कदम ने आरोप लगाया कि एकनाथ शिंदे को राजनीतिक रूप से खत्म करने की साजिश की जा रही है। उन्होंने इस मामले को महाराष्ट्र की सत्ता और राजनीतिक गठबंधन के भीतर चल रही खींचतान से जोड़कर देखा। कथित ऑडियो



ऑडियो की प्रामाणिकता और उससे जुड़े तथ्यों का पता लगाने की कोशिश की जाएगी। कथित विलप में एक महिला की आवाज सुनाई देने का दावा किया गया है, जिसमें जरांगे तक 500 करोड़ रुपये पहुंचाए जाने का जिक्र है। हालांकि, विलप की वास्तविकता, उसमें मौजूद आवाजों की पहचान और बातचीत के संदर्भ की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है। ऑडियो विवाद के बीच शिवसेना

में सबूत पेश करने की चुनौती दे चुके हैं। अब फॉरेंसिक जांच से यह स्पष्ट होने की उम्मीद है कि कथित बातचीत असली है या उसमें किसी तरह का बदलाव किया गया है। भाजपा ने शनिवार को आरोप लगाया कि पार्टी को बदनाम करने के कथित अभियान के पीछे कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भूमिका हो सकती है। पार्टी ने शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत पर भी एआई की मदद से ऑडियो विलप तैयार कराने का आरोप लगाया है। भाजपा का दावा है कि कथित ऑडियो का उद्देश्य भाजपा, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और मनोज जरांगे के बीच अविश्वास पंदना करना था। पार्टी के अनुसार, इससे कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) को राजनीतिक लाभ पहुंच सकता था। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता नवनाथ बान ने मांग की कि मामले में संजय राउत के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी जांच करने का प्रयास किया जा रहा है कि घटना दुर्घटनावाश हुई या इसके पीछे कोई अन्य कारण था।

को लेकर यह दावा भी सामने आया है कि शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे की मांग की कि क्या कथित अभियान के लिए राहुल गांधी की ओर से कोई वित्तीय मदद दी गई थी। ये भाजपा की ओर से लगाए गए आरोप हैं, जिनकी स्वतंत्र पुष्टि सामने आना अभी बाकी है।

सम्पादकीय पानी की आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

मैंने कुछ समय पहले राजस्थान के गांवों का दौरा किया था, इसका उद्देश्य वहां के तालाबों की परंपरा को देखने समझने का था। इस यात्रा में हमने दर्जनों तालाबों देखे, गांव वालों से मिले और उनसे विस्तार से बात की। इस स्तंभ में एक तालाब की कहानी बताना चाहूंगा, जिससे तालाबों के बारे में समझा जा सके, और पानी की समस्याओं का स्थायी हल खोजने में इससे मदद मिल सके। पश्चिमी राजस्थान के नागौर जिले का एक गांव है चावली। कुछ समय पहले तक यह आम गांव था, लेकिन अब खास बन गया है। क्योंकि यहां के लोगों ने गांव के तालाब का पुनरोद्धार कर लिया है। अब यह गांव पानी के मामले में स्वावलंबी है, बल्कि आसपास के गांवों को भी पानी उपलब्ध कराता है। इस पूरे काम में गांव वालों का सहयोग किया है उरमुल खेजड़ी संस्था ने, जो यहां लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में बरसों से जुटी है। यह इलाका थार का मरुस्थल कहलाता है। देश में सबसे कम बारिश इसी क्षेत्र में होती है। यह क्षेत्र खारे पानी की पट्टी में आता है। यहां भूजल खारा है। इस कारण यहां ट्यूबवेल व कुएं नहीं हैं या कम हैं। इस क्षेत्र में भूमिगत जल खारे होने के साथ ही 350 से 500 फुट तक नीचे भूजल है, जिसे निकालना भी काफी खर्चीला है। सिर्फ खरीफ की फसल वर्षा आधारित होती है, वह भी बारिश हो गई तो। हर तीसरे साल अकाल आता है। खेती में खरीफ की फसल बाजरा, मूंग, मोट व गवार होती है। पानी की कमी के चलते इस इलाके को डार्क जोन घोषित किया गया है। यानी यहां ट्यूबवेल से पानी निकालने पर भी रोक है। पानी के लिए सीमित साधन हैं। गांव के लोग बारिश के पानी से भरने वाले कुंड व सार्वजनिक तालाबों का पानी उपयोग में लाते हैं। नागौर जिले के जायल प्रखंड का गांव है चावली। इस गांव में 500 घर हैं। कुछ समय पहले तक सड़क भी नहीं थी। आवागमन में परेशानी होती थी, अब सड़क बन गई है, पर रोजगार के अभाव में बड़ी संख्या में लोग पलायन करते हैं। ईंट भट्टे, लोहे की मिलें, खदान, फसल कटाई, छोटे–मोटे धंधों के लिए लोग आसपास के शहरों से लेकर दूर गुजरात, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल तक जाते हैं। मेघवाल, बावरी, कालबेलिया, नायक और लुहार इत्यादि पलायन करते हैं। यहां के तालाब का नाम शिवसागर है। इसका आगौर 700 बीघा है, और इसकी भराव क्षमता 12 बीघा में है। यह बहुत पुराना तालाब है। बरसों से इसका मरम्‍मतीकरण का काम नहीं हुआ था जिससे इसकी भराव क्षमता कम हो गई थी। दीवाली तक आते–आते इसका पानी खत्म हो जाता था। गांव वालों ने संस्था के सामने यह बात रखी कि अगर इस तालाब की खुदाई हो जाए तो सालभर पानी रह सकता है और उनका पानी की समस्या का समाधान हो सकता है। उरमुल खेजड़ी संस्था के कार्यकर्ता बताते हैं कि तालाब के काम के लिए तीन चीजें जरूरी हैं– एक योजना बनाना, दो उसे जमीन पर उतारना और तीन, उसका रख–रखाव करना। इसके लिए हमने गांव वालों की एक समिति बनाई। यह समिति ने ही पूरा तालाब खुदाई व रख–रखाव का जिम्मा लिया। वे आगे बताते हैं कि तालाब के पुनरोद्धार की पूरी योजना बनाई। गांव–समाज को एकजुट किया। लोग अपने अपने घरों से गैंती, फावड़ा, तसलें, बेल ले आए। मिट्टी की खुदाई शुरू हो गई। कुछ खुदाई करते जाते हैं, कुछ उस मिट्टी को पाल पर फेंकते जाते हैं, कुछ उसे समतल करने लगते। कई किसानों ने इस उपजाऊ मिट्टी को उनके खेतों में डाला, जिससे फसलें अच्छी हों। तालाब के किनारे दो दीवारें बनाई गई। चूना की चिनाई की गई। ईंट, गारे व सीमेंट से लाइनिंग की गई। कुछ ही समय में तालाब बनकर तैयार हो गया। बारिश आई तो लबालब भर गया। चावली गांव के लोगों ने बताया कि जब तालाब बन गया तो उसके रख–रखाव व साज–संभाल के बारे में सोचा गया। तालाब की रखवाली व देखभाल के लिए एक चौकीदार रखा गया। उसे घर–घर से 100 रुपए चंदा कर मानदेय दिया जाता है। तालाब के रख–रखाव के अलिखित नियम बनाए गए, जो गांव में सभी को मालूम हैं, और उस पर वे अमल भी करते हैं। वे आगे बताते हैं कि रख–रखाव के नियमों में आगौर में कोई अतिक्रमण न करे, यह सुनिश्चित किया। आगौर में गंदगी न हो, कोई शौच न करे। आसपास के गांव के लोग ऊंटगाड़े से पानी ले जा सकते हैं। सिर पर ले जा सकते हैं या टैंकर या ट्रैक्टर से नहीं। दीवाली तक पानी ले जा सकते हैं, क्योंकि उसके बाद तालाब में पानी कम हो जाता है। एक माह में एक परिवार को 3 टैंकर पानी ही मिलेगा, इससे अधिक नहीं। लेकिन शादी–विवाह में लोगों को उनकी जरूरत के हिसाब से पानी लेने की अनुमति है। पानी बेचने के लिए नहीं ले सकते हैं, सिर्फ पीने के लिए पानी ले जा सकते हैं। इसके अलावा, तालाब की साफ–सफाई करना, भराव में तालाब गहरीकरण का काम करना। टैंकर, ऊंटगाड़ा को तालाब के अंदर जाना मना है। पानी में टैकर के टायर नहीं जाना चाहिए। गाय–भैंस को तालाब के अंदर नहीं जाने देते। मनुष्यों को भी तालाब में स्नान करना मना है। पानी से महिलाओं का वास्ता अधिक होता है। इससे रख–रखाव में महिलाओं को जोड़ा गया है। जल सहेली नामक समिति बनाई गई है। गांव की महिलाओं ने बताया कि वे सब भी तालाब की देखरेख व रख–रखाव में मदद करती हैं। निर्जला ग्यारस को गांव के सभी लोग तालाब पर एकत्र होते हैं और श्रमदान कर मिट्टी निकालते हैं। साफ–सफाई करते हैं।ग्रामीणों ने तालाब की मरम्मत के लिए भावी योजना भी बनाई है। एक तो तालाब के पार बनी ढाणियों के लिए सड़क निर्माण करवाना है जिससे उन ढाणियों के बच्चे बारिश में भी स्कूल आ सकें। तालाब की पाल और भी ऊंची करनी है, मरम्मत की भी जरूरत है। इस संबंध में ग्राम पंचायत को भी प्रस्ताव दिया गया है। यानी गांव–समाज, संस्था व ग्राम पंचायत मिलकर तालाब के रख–रखाव का काम कर रहे हैं। तालाब के किनारे वृक्षारोपण की भी योजना है। गांव के लोग तालाब में शिव की मूर्ति भी लगाना चाहते हैं। कुल मिलाकर, अब चावली गांव पानी के मामले में आत्मनिर्भर हो गया है। सुंदर व स्वच्छ तालाब लबालब हो गया है। पीने के पानी के साथ, मवेशियों, पक्षियों व अन्य जीव–जंतुओं को भी पानी मिल रहा है। इस गांव के अलावा, अन्य कुछ गांवों को भी पानी मिल रहा है। यह सब संभव हुआ है, गांव के पारंपरिक ज्ञान, कौशल, श्रम व समुदाय की एकजुटता व जनभागीदारी से ही अनूठा तालाब के जीर्णोद्धार का काम हुआ है, जो सराहनीय होने के साथ अनुरकणीय भी है।

मायानागरी में फिर लौटा अंडरवर्ल्ड का साया

फिल्म के पर्दे पर अपराधियों से मुकाबला करने वाले सितारे इन दिनों वास्तविक जिंदगी में खुद गोलियों और धमकियों के निशाने पर हैं। टाइगर श्रॉफ की कार पर हुई गंभीर सवाल खड़े कर दिए। कभी हाजी मस्तान और दाऊद इब्राहिम के नाम से खेफ खाने वाला बॉलीवुड अब लॉरेंस बिश्नोई गिरोह की ६ मकियों से दहशत में हैं। सवाल यह कि क्या संगठित अपराध एक बार फिर फिल्मी दुनिया को अपने प्रभाव में लेने की कोशिश कर रहा है? मुंबई फिल्म जगत और अंडरवर्ल्ड के रिश्ते का इतिहास कई दशक पुराना है। इसकी शुरुआत किसी एक घटना से नहीं हुई, बल्कि फिल्म निर्माण में धन की जरूरत, सीमित वित्तीय स्रोत और मुंबई में सक्रिय आपराधिक गिरोहों की आर्थिक ताकत ने इसके लिए जमीन तैयार की। पहले 1970 और 80 के दशकों में हाजी मस्तान का नाम फिल्मी हस्तियों से मेलजोल और प्रभावशाली सामाजिक छवि के कारण चर्चा में

सरकारी स्कूलों

निमिषा सिंह पांच साल के बच्चे के हाथ में जब पहली किताब आती है, तो उसके साथ परिवार की उम्मीदें भी स्कूल पहुंचती हैं। माता–पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा पढ़े, आगे बढ़े और जीवन में बेहतर अवसर पाए, लेकिन क्या स्कूल में उसे ठीक से सीखने का मौका मिल रहा है? क्या वहां का माहौल उसकी उम्र और समझ के हिसाब से है? स्कूल में दाखिला मिलना एक बात है और वहां अच्छी शिक्षा मिलना दूसरी। यूनेस्को की तरफ से जारी ग्लोबल एजुकेशन मॉनिटरिंग (जीईएम) रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में पांच साल के 51 प्रतिशत बच्चे पूर्व–प्राथमिक शिक्षा के बजाय प्राथमिक विद्यालयों में दाखिल हैं। यह आंकड़ा बताता है कि बड़ी संख्या में बच्चे कम उम्र में ही पहली कक्षा तक पहुंच रहे हैं। इसका यह मतलब नहीं कि इन सभी बच्चों ने पहले आंगनवाड़ी या किसी दूसरे केंद्र में पढ़ाई नहीं की है। बल्कि बच्चे के बाद उन्हें किस तरह पढ़ाया जा रहा है। पाच साल की उम्र में बच्चे खेलते हुए, कहानियां सुनते हुए और सवाल पूछते हुए बहुत कुछ सीखते हैं। इस उम्र में उनके लिए पढ़ाई का मतलब केवल किताबों से अक्षर सीखना नहीं है। यदि शुरुआत से ही उन पर जल्दी–जल्दी लिखने, अक्षर याद करने और किताबें पूरी करने का दबाव डाला जाए, तो पढ़ाई में उनकी

रुचि कम भी हो सकती है। इसलिए यह देखना जरूरी है कि बच्चे स्कूल तो पहुंच रहे हैं, लेकिन इससे यह सवाल जरूर भी पा रहे हैं या नहीं। भारत में सरकारी स्कूलों की अहमियत इसी के लिए बढ़ी है। गांवों, छोटे कस्बों और कम आमदनी वाले परिवारों के लिए सरकारी स्कूल ही शिक्षा का सबसे सुलभ साधन हैं। हर परिवार निजी स्कूल की फीस और दूसरे खर्च नहीं उठा सकता। ऐसे में सरकारी स्कूलों की हालत का असर उन बच्चों पर सबसे ज्यादा पड़ता है, जिनके पास दूसरे विकल्प नहीं हैं। एक तरफ कुछ परिवार अपने बच्चों को अच्छी सुविधाओं वाले स्कूलों में पढ़ा सकते हैं, वहीं दूसरी तरफ कई बच्चों को कमरों, शिक्षकों और पढ़ाई के साधनों की कमी के बीच पढ़ना पड़ता है। ऐसे में शिक्षा सबको आगे बढ़ने का समान अवसर कैसे दे पाएगी? सरकारी स्कूलों में बच्चों का नामांकन बढ़ाना जरूरी है, लेकिन उतना ही जरूरी है कि उन्हें पढ़ने और समझने के लिए अच्छा माहौल भी मिले। बिहार के रोहतास जिले के रूपिबांध प्राथमिक विद्यालय की एक खबर इस स्थिति को समझने की मदद करती है। अक्टूबर 2026 की एक खबर के मुताबिक, वहां कक्षा एक से पांच तक के 82 बच्चे लगभग 20 गुणा 15 फुट के एक कमरे में पढ़ते हैं। स्कूल में चार शिक्षक और एक ब्लैक बोर्ड हैं। इसी कमरे में प्रधानाध्यापक का कार्यालय भी है और मध्याह्न भोजन की सामग्री भी रखी जाती

अरुणाचल पर चीन की कुदृष्टि

ब्रिक्स समेत कई अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर लगातार मैत्री की बात करने वाले चीन द्वारा एलएसी पर तनाव पैदा करने की खबरें चिंता बढ़ाने वाली हैं। अरुणाचल बॉर्डर पर भारत व चीन के आमने–सामने होने की खबरों के सामने आने के बाद इस मुद्दे पर सियासत भी तेज हो गई है। दरअसल, भारत–तिब्बत सीमा पुलिस के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने गुरुवार को एक कार्यक्रम में कहा कि पिछले कुछ समय से अरुणाचल प्रदेश में आईटीबीपी के जवान व पीएलए के सैनिक आमने–सामने आए हैं। यह स्थिति बदली नहीं है। उनके इस बयान के बाद कांग्रेस व विपक्ष ने केंद्र सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। विपक्ष द्वारा इस मुद्दे को लेकर सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाये जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि इस वर्ष जुलाई में उत्तर–पूर्वी सीमा पर तनाव अधिक होने के उपरांत पहली बार आरुि

की हत्या ने फिल्म जगत को संदेश दिया कि आपराधिक दबाव का विरोध करना जानलेवा भी हो सकता है। साल 2000 में फिल्म निर्माता और निर्देशक राकेश रोशन पर भी गोली चलवाई गई। वे बच गए। इससे पहले और बाद में निर्माता राजीव राय, मुकेश दुग्गल और अन्य फिल्मी कारोबारियों को धमकियां तथा हमलों की कोशिशें ने यह आशंका पैदा की कि अपराधी गिरोह फिल्मी दुनिया की आर्थिक ताकत और लोकप्रियता का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए करना चाहते हैं। किसी बड़े सितारे से नजदीकी दिखाना प्रतिष्ठा का माध्यम था, तो निर्माता को धमकाना े अनवसूलने का रास्ता। 12 अगस्त 1997 को टी–सीरीज के संस्थापक गुलशन कुमार की मुंबई में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मामले में जबरन वसूली और आपराधिक साजिश के आरोपों की जांच हुई। अब्दुल रऊफ उर्फ दाऊद मर्चेट को हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया और उसकी उम्रकैद की सजा को 2021 में बॉम्बे हाईकोर्ट ने बरकरार रखा। हालांकि, मामले के अन्य आरोपियों की कानूनी स्थिति अलग–अलग रही। गुलशन कुमार

में दाखिले के बाद की चुनौती?

है। यह बिहार के एक स्कूल का उदाहरण है, पूरे राज्य की तस्वीर नहीं, लेकिन इससे यह सवाल जरूर उठता है कि एक ही कमरे में पांच कक्षाओं के बच्चे पढ़ रहे हों, तो हर कक्षा पर कितना ध्यान दिया जा सकता है? पांच साल के बच्चों को खेल और गतिविधियों के जरिए पढ़ाने की बात करना आसान है, लेकिन इसके लिए जगह और जरूरी साधन भी तो होने चाहिए। केवल पाठ्यक्रम बदलने से स्कूलों की समस्याएं दूर नहीं होंगी। शिक्षा मंत्रालय के 2025–26 के आंकड़ों के मुताबिक, देश में सरकारी और निजी सहित सभी तरह के 1,00,843 स्कूल ऐसे हैं, जहां केवल एक शिक्षक दर्ज है। इनमें महाराष्ट्र के 9,269, उत्तरप्रदेश के 7,874, राजस्थान के 7,200 और बिहार के 2,006 स्कूल शामिल हैं। ये आंकड़े खाली पदों के नहीं, बल्कि एक शिक्षक वाले स्कूलों के हैं। अब का नामांकन बढ़ाना जरूरी है, लेकिन उतना ही जरूरी है कि उन्हें पढ़ाने पर कितना ध्यान दिया जा सकता है? पहली कक्षा में आने वाले सभी बच्चों की समझ और सीखने की गति एक जैसी नहीं होती। कुछ बच्चे घर पर किताबों और कहानियों से परिचित होते हैं, तो कुछ के लिए स्कूल ही सीखने का पहला बड़ा अनुभव होता है। ऐसे में शिक्षक को हर बच्चे को समझाने और उसके हिसाब से पढ़ाने का समय मिलना भी जरूरी है। उत्तर प्रदेश में इस

दिशा में एक पहल की गई है। शैक्षणिक सत्र 2026–27 में कक्षा एक के बच्चों के लिए 12 सप्ताह से श्विदा प्रवेशक कार्यक्रम चलाने के निर्देश दिए गए हैं। इसमें खेल और दूसरी गतिविधियों के जरिए बच्चों को भाषा, शुरुआती गणित और आसपास की दुनिया के बारे में सिखाने का लक्ष्य है। ऐसी पहल का उद्देश्य बच्चों को पहली कक्षा की पढ़ाई के लिए तैयार करना है, लेकिन किसी योजना का असली असर तभी दिखता है, जब वह कक्षा में ठीक से लागू हो। इसके लिए शिक्षकों को प्रशिक्षण और बच्चों की सामग्री मिलनी चाहिए। बच्चों को भी अपनी बात कहने, सवाल पूछने और दूसरे बच्चों के साथ मिलकर सीखने का मौका मिलना चाहिए। उत्तर प्रदेश के 200 सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में किए गए एक अध्ययन के नतीजे इस ओर ध्यान दिलाते हैं। टीचिंग लर्निंग प्रैक्टिसेज सर्वे 2025 के मुताबिक, लगभग को कई कक्षाओं के बच्चों को पढ़ाना पड़ता है, वहां हर बच्चे की जरूरत पर कितना ध्यान दिया जा सकता है? पहली कक्षा में आने वाले सभी बच्चों की समझ और सीखने की गति एक जैसी नहीं होती। कुछ बच्चे घर पर किताबों और कहानियों से परिचित होते हैं, तो कुछ के लिए स्कूल ही सीखने का पहला बड़ा अनुभव होता है। ऐसे में शिक्षक को हर बच्चे को समझाने और उसके हिसाब से पढ़ाने का समय मिलना भी जरूरी है। उत्तर प्रदेश में इस

लेने का दावा किया और धमकी भी दी। इस घटना ने बॉलीवुड में सुखा को लेकर भय और चिंता को फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। इन घटनाओं में एक समान प्रवृत्ति दिखाई देती है। किसी चर्चित व्यक्ति को निशाना बनाना, घटना की जिम्मेदारी का प्रचार करना और फिर धमकी देकर अपनी पहुंच का प्रदर्शन करना। इससे संबंधित व्यक्ति या उसके कारोबारी सहयोगियों पर दबाव बनाया जा सकता है और व्यापक समाज में गिरोह की दहशत फैल सकती है। पहले धमकी और अनजाने तक सीमित रहती थी, लेकिन अब गोलीबारी के बाद संदेश, वीडियो और पोस्ट के जरिये कुछ ही मिनटों में भय फैलाया जा सकता है। किसी बड़े अभिनेता को निशाना बनाना अपराधियों को मुफ्त प्रचार दिलाता है। फिलहाल यह कहना सही नहीं होगा कि पूरा बॉलीवुड अपराधियों के नियंत्रण में है। औपचारिक बैंकिंग, कॉरपोरेट स्टूडियो और वित्तीय पारदर्शिता ने नई होगी। यह तब होगी, जब अपराधि जरूर किया है। इसके बावजूद ६ आम नागरिक पर गोली चलाकर ताकत दिखाने का अवसर ही न सितारों की सुखा बढ़ाना पर्याप्त नहीं

की चुनौती?

शुरुआती कक्षाओं में यदि बच्चों को अपनी बात कहने और सवाल पूछने का मौका मिले, तो वे पढ़ाई से बेहतर ढंग से जुड़ सकते हैं। शिक्षक का काम केवल पाठ पढ़ाना नहीं, बल्कि यह समझना भी है कि बच्चे उसे कितना समझ पा रहे हैं। इस चर्चा में आंगनवाड़ी की भूमिका को भी नहीं भूलना चाहिए। श्राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020१ में तीन से छह साल के बच्चों की शुरुआती शिक्षा पर जोर दिया गया है। इस उम्र में खेल, गीत, कहानियां और बातचीत बच्चों को सीखने में मदद करते हैं। इसलिए आंगनवाड़ी से प्राथमिक विद्यालय तक बच्चे की पढ़ाई का सिलसिला बना रहना चाहिए। बिहार में १एएसईआर 2024य की रिपोर्ट के मुताबिक, पांच साल के बच्चों का आंगनवाड़ी में नामांकन 2018 के 36.4 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 48.3 प्रतिशत हो गया।

राशिफल

मेघ :— भावना से उद्देहित मन निकट संबंधों के सुख–दुख के प्रति चिंतित होगा। पूर्वाग्रहवश संबंधियों के प्रति नकारात्मकता को न पाले। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन में नकारात्मक विचार ला सकती हैं।
बृषभ :— भौतिक महत्वकक्षाएं अभाव का एहसास कराएंगी। परिजनों से कुछ भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती हैं। अच्छी योजनाओं द्वारा महत्वपूर्ण कार्यों को समयानुकूल पूर्ण करेंगे।
मिथुन :— भावनाओं पर नियंत्रणरख अपने दायित्वों के प्रति सजग होना प्रगति का सूचक है। बचकाना स्वभाव महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एकाग्रता का अभाव पैदा करेगा। शिक्षा–प्रतियोगिता में परिश्रम का लाभ मिलेगा।
कर्क :— महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। कुछ नयी आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। भौतिक–सुख साधन में व्यय संभव। परिजनों से किसी प्रकार की शिकायत पर खुलकर बात करें।
सिंह :— किसी श्रेष्ठजन के प्यार से मन प्रसन्न होगा। किसी की कटु वाणी मन को दुखित कर सकती है। उच्च महत्वकक्षाएं व्यावसायिक क्षेत्र में अधिक परिश्रम के लिए प्रेरित करेंगी। आलस्य कतई न करें।
कन्या :— नये संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। जीविका क्षेत्र में मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रयत्नशील होगा। रोजगार में व्यस्तता रहेगी किंतु जरूरी कार्य समय से पूर्ण करें।
तुला :— कुछ नयी अभिलाषाएं आपको उत्साहित करेंगी। शासन–सत्ता की दिशा में केंद्रित लोगों को लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। किसी महत्वपूर्ण दायित्व की पूर्ति हेतु समुचित व्यवस्था हेतु मन चिंतित होगा। वृश्चिक :— किसी पुरुषसे संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां अधिक सुदृढ़ता हेतु प्रेरित करेंगी। भावनाप्रधान मन रिश्रों से सहज ही प्रभावित हो जाता है।
धनु :— रोजगार क्षेत्र में आपकी महत्वपूर्ण योजनाएं सार्थक होती हुई नजर आएंगी। श्रेष्ठजन से नजदीकियां पैदा होंगी। व्यावसायिक यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। कुछ प्रबल इच्छाएं आपको उद्देहित करेंगी।
मकर :— सामाजिक गतिविधियों में आपकी क्रियाशीलता बढ़ेगी। अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा।
कुंभ :— पुरानी समस्याओं को हल कर सुख की अनुभूति करेंगे। शासन–सत्ता से जुड़े लोगों को लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे।
पूजा–पाठ में पूरा दिन मन केंद्रित होगा। नये दायित्वों की पूर्ति होगी।
मीन :— पितृ के सहयोग से मुश्किल दिनों में राहत मिलेगी। बालसुलभता व असंयमित शब्दों का प्रयोग संबंधों में कटुता लाएगा। आकस्मिक नई आशंकाओं से प्रभावित मन कोई गलत निर्णय ले सकता है।

योगी बोले, एआई और डीपफेक का कितना भी ले लें सहारा, अपराधियों तक पहुंचेगी पुलिस

संवाददाता लखनऊ। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डीपफेक के बढ़ते इस्तेमाल के बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपराधियों को सख्त संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि अपराधी तकनीक का कितना भी आवरण ओढ़ लें, प्रदेश की वैज्ञानिक जांच और विधि ाक क्षमता उन्हें खोज निकालेगी। एआई मददगार हो सकता है, लेकिन उसे निर्णायक नहीं बनना चाहिए। तकनीक का संचालन मानव विवेक से होना चाहिए, न कि मनुष्य पूरी तरह उस पर निर्भर हो जाए। मुख्यमंत्री शनिवार को लखनऊ स्थित उत्तर प्रदेश राज्य फॉरेंसिक विज्ञान संस्थान में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ‘टेक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ‘टेक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन के कार्यक्रम का उद्घाटन कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने देश के पहले सेंटर ऑफ़ एक्सर्सेस का शुभारंभ किया। यह केंद्र क्वांटम तकनीक, कानून और फॉरेंसिक विज्ञान के बीच समन्वय को बढ़ावा देगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम के दौरान कंसेंट मैनेजमेंट पोर्टल का लोकार्पण किया। साथ ही ‘अभेद्य’

महात्मा फुले फाउंडेशन ने मनाई भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती

संवाददाता लखनऊ। जिसकी जितनी संख्या उसकी उतनी हिस्सेदारी हर क्षेत्र में होनी चाहिए समाज में एक समान शिक्षा व्यवस्था होनी चाहिए। यह बातें जन अधिकार पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकन्या कुशवाहा ने शनिवार को महात्मा फुले फाउंडेशन के तत्वात्ान में डॉ. भीमराव अम्बेडकर ऑडिटोरियम ला कालेज में आयोजित भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने कलाम जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जिन्हें हम सब श्मिसाइल मैन ड्रिडिया के नाम से जानते हैं, भारत के महान वैज्ञानिक, शिक्षाविद् एवं 11वें राष्ट्रपति थे। उन्हें 1997 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया। जिन्होंने अग्नि और पृथ्वी जैसी स्वदेशी मिसाइलों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

सांसद अफजाल अंसारी की तबीयत बिगड़ी, आईसीयू में भर्ती

संवाददाता लखनऊ। गाजीपुर से सपा सांसद अफजाल अंसारी की तबीयत बिगड़ गई। शुक्रवार शाम उन्हें उल्टियां



होने लगीं। हालत बिगड़ने पर परिजन नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां

से डॉक्टरों ने लखनऊ रेफर कर दिया। इसके बाद उन्हें गाजीपुर से एंबुलेंस से लाकर लखनऊ मेदांता में गैस्ट्रो विभाग में भर्ती कराया गया है। हॉस्पिटल ने शनिवार को हेल्थ बुलेटिन जारी कर बताया अफजाल अंसारी को पेट में तेज दर्द के बाद यहां लाया गया। जांच में पता चला कि उनके पैंक्रियास (अग्नाशय) में सूजन है। उन्हें हल्का पीलिया भी है। फिलहाल उन्हें आईसीयू में रखा गया है। डॉ. अभय वर्मा और डॉ. दिलीप दुबे की टीम उनकी देखभाल में लगी हैं। इससे पहले परिजनों ने बताया कि अफजाल लंबे समय से

तिवर की बीमारी से जूझ रहे हैं। शुक्रवार सुबह गले में खराश, सर्दी

वैज्ञानिक साक्ष्यों की भूमिका समझाते हुए एक मामले का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि वर्ष 1980 में अपराध 1 करने वाले व्यक्ति को साक्ष्यों की कमी और डीएनए नमूने नष्ट होने के कारण वर्ष 2022 में सजा मिल सकी। उन्होंने कहा कि समय पर



साक्ष्य जुटाना और उनका वैज्ञानिक परीक्षण करना बेहद जरूरी है। इससे न्याय प्रक्रिया में देरी कम करने और अपराधों की जांच को मजबूत बनाने में मदद मिल सकती है। मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश की सभी 18 पुलिस रेंजों में फॉरेंसिक प्रयोगशालाएं विकसित की जा रही हैं। इनमें से 12 प्रयोगशालाएं तैयार हो चुकी हैं, जबकि छह अन्य अंतिम

चरण में हैं। घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने के लिए प्रदेश में 150 से अधिक फॉरेंसिक वैन भी तैनात की गई हैं। उन्होंने कहा कि नए आपराधिक कानूनों के तहत सात वर्ष से अधिक की सजा वाले अपराधों में फॉरेंसिक साक्ष्य जुटाने पर

विशेष जोर दिया गया है। ऐसे में वैज्ञानिक जांच की क्षमता बढ़ाना कानून-व्यवस्था और न्याय प्रक्रिया के लिए महत्वपूर्ण है। सीएम योगी ने प्रदेश में तकनीक और औद्योगिक विकास की योजनाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश वर्ष 2030 तक पांच गीगावाट डेटा सेंटर क्षमता विकसित करने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। इसके लिए पांच

विज्ञान, नवाचार एवं राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित किया। उनके विचारों में शिक्षा, समानता और समावेशी विकास का स्पष्ट संदेश था बाबू सिंह कुशवाहा का मानना है— संविधान को बचाना हम सभी का कर्तव्य है यही हमारे अधिकारों की सुरक्षा का आधार है। सबको समान शिक्षा उपलब्ध कराना ही सच्चा सामाजिक न्याय है। समाज में समता, सम्मान और अधिकार सबके के लिए सुनिश्चित होना चाहिये। गरीब, वंचित और महिलाओं को आगे बढ़ाना ही राष्ट्र निर्माण की पहली सीढ़ी है। हम सब मिलकर डॉ. कलाम जी के वैज्ञानिक दृष्टिकोण, शिक्षा के प्रति समर्पण सामाजिक सदभाव और विकसित भारत के सपने को आगे बढ़ाने का संकल्प लें। नयी पीढ़ी को उनके जीवन से प्रेरणा लेने तथा ज्ञान मेहनत मानवारी और मानवता के मार्ग पर चलने के लिए प्रोत्साहित करें।

यूपी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने सपा से मांगी 175 से 200 सीटें, गठबंधन में सीट शेयरिंग पर औपचारिक चर्चा शुरू

संवाददाता लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस ने औपचारिक बातचीत शुरू कर दी है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, कांग्रेस ने 175 से अधिक सीट की प्रारंभिक सूची सौंपी है, जहां उसे लिखा-बड़े अब्बा की सह मदद करनी होगी। वीडियो में अयोध्या के माध्वम से मौलिक पेंटिंग तैयार करनी होगी। कलाकृति में अयोध्या की रील आकर्षक, स्पष्ट और सार्वजनिक प्रदर्शन के योग्य होना अनिवार्य होगा।प्रतिभागियों को वीडियो में इस्तेमाल होने वाले संगीत, दृश्यों सहित अन्व रचनात्मक सामग्री के लिए कॉपीराइट मुक्त संसाधनों का उपयोग करना होगा।

बड़े डेटा सेंटर समूह विकसित करने की दिशा में काम किया जा रहा है। उन्होंने नोएडा में सेमीकंडक्टर इकाई की स्थापना का भी जिक्र किया। मुख्यमंत्री के मुताबिक, वर्ष 2017 के बाद प्रदेश में 35 हजार नए उद्योग स्थापित हुए हैं। राज्य के पास करीब 75 हजार एकड़ का भूमि बैंक और 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव हैं। उन्होंने बेहतर कानून-व्यवस्था और निवेश के अनुकूल माहौल को प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार से जोड़ा। सम्मेलन में संस्थान के संस्थापक निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य फॉरेंसिक विज्ञान संस्थान अब तक पुलिस, रक्षा बलों और प्रशासन से जुड़े पांच हजार से अधिक अधिकारियों को प्रशिक्षण दे चुका है।कार्यक्रम के दौरान शिक्षा, फॉरेंसिक विज्ञान, तकनीक और कौशल विकास के क्षेत्र में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापनों पर भी हस्ताक्षर किए गए। सम्मेलन में विशेषज्ञों ने साइबर अपराधों की जांच, डिजिटल साक्ष्यों की विश्वसनीयता और न्याय व्यवस्था में नई तकनीकों की भूमिका पर विचार साझा किए।

लाइव जैकेट पहनकर आपदा भित्तों का विरोध प्रदर्शन,प्रति माह 26 हजार रुपए वेतन की मांग

संवाददाता लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शनिवार को उत्तर प्रदेश आपदा मित्र एसोसिएशन ने विरोध प्रदर्शन किया। इको गार्डन में आपदा न्यूनीकरण और अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जमा हुए इस दौरान लाइव, हेलमेट समेत पूरी किट पहनकर प्रदर्शन किया। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष राज किशोर कुमार ने बताया कि आपदा मित्र साल 2018 से उत्तर प्रदेश सरकार और राहत आयुक्त के निर्देशों का पालन कर रहे हैं। मगर हमारी मांगों को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। राज किशोर ने कहा कि 2018 से आईडी कार्ड और किट वगैरह मिला। बाढ़, भूकंप के साथ कोरोना काल, कुंभमेला, माघ मेला, सावन मेला और गणतंत्र दिवस परेड जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अपनी सेवाएं देते हैं। हर जरूरी परिस्थिति में और आपदा के समय

संवाददाता लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एमएलसी चुनाव को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। प्रदेश सरकार में मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के प्रमुख ओमप्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें चुनाव के हर तरीके से परेशानी होती है। राजभर के मुताबिक, ईवीएम से चुनाव होने पर भी सवाल उठाए जाते हैं और बैलट पेपर से मतदान होने पर भी आरोप लगाए जाते हैं। राजभर ने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव चुनावी हार की आशंका में संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाते हैं। उन्होंने कहा कि सपा प्रमुख को पहले अपनी पार्टी के भीतर उठ रहे सवालों का जवाब देना चाहिए। हालांकि, ये राजभर के राजनीतिक आरोप हैं और इन्हें अखिलेश यादव का पक्ष नहीं माना जा सकता। ओपी राजभर ने सपा नेता रामगोपाल यादव के कथित बयान का हवाला देते हुए कहा कि मतदाता सूची में नाम जुड़वाने और कटवाने की प्रक्रिया समय पर पूरी नहीं करने के लिए सपा कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार ठहराया गया है। उन्होंने बयान किया कि जब पार्टी के नेताओं के बयान अलग-अलग हैं, तो सही किसे माना जाए। राजभर

का कहना था कि अखिलेश यादव को चुनाव आयोग पर सवाल उठाने से पहले अपनी पार्टी के भीतर की स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने एमएलसी चुनाव को 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक माहौल का संकेत बताते हुए भाजपा की जीत का दावा



भी किया। राजभर ने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव चुनाव से पहले बड़े-बड़े दावे करते हैं, लेकिन नतीजे आने के बाद राजनीतिक स्थिति अलग नजर आती है। उन्होंने कहा कि एमएलसी चुनाव के परिणाम से प्रदेश में सपा की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा सकेगा। सत्तारूढ़ गठबंधन की संभावनाओं को लेकर राजभर ने भाजपा की जीत का भरोसा जताया। हालांकि, चुनाव परिणाम आने से पहले किसी भी दल की जीत को निश्चित नहीं माना जा सकता। भाजपा

के मुख्य प्रवक्ता दिनेश प्रताप सिंह ने भी अखिलेश यादव पर निशाना साधे। उन्होंने दावा किया कि एमएलसी चुनाव में भाजपा सभी 11 सीटें जीतेगी। उनके मुताबिक, शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव बैलट पेपर से हो रहे हैं, जबकि अखिलेश यादव

भी किया। राजभर ने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव चुनाव से पहले बड़े-बड़े दावे करते हैं, लेकिन नतीजे आने के बाद राजनीतिक स्थिति अलग नजर आती है। उन्होंने कहा कि एमएलसी चुनाव के परिणाम से प्रदेश में सपा की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा सकेगा। सत्तारूढ़ गठबंधन की संभावनाओं को लेकर राजभर ने भाजपा की जीत का भरोसा जताया। हालांकि, चुनाव परिणाम आने से पहले किसी भी दल की जीत को निश्चित नहीं माना जा सकता। भाजपा

हम लोग पुलिस प्रशासन के कंधे से कंधा मिलाकर काम करते हैं। इसके

ने प्रशासन का पूरा सहयोग किया है। इसलिए हमारी मांगों को स्वीकार



अतिरिक्त, अग्नि सचेतक प्रशिक्षण और नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में भी आपदा मित्रों

करना बेहद आवश्यक है। राज किशोर ने कहा कि हमारी कई प्रमुख मांगें हैं, जिसमें सरकार द्वारा घोषित

से 200 सीट की सूची सौंपी है। उन्होंने संकेत दिया कि 403 विधानसभा सीट वाले राज्य में चुनाव से



पहले पार्टी बातचीत के लिए तैयार है। कांग्रेस नेता ने कहा, दोनों दलों के नेतृत्व एक साथ बैठकर सीट बंटवारे की बारीकियों को तय करेंगे।

सपा के एक वरिष्ठ नेता ने कांग्रेस की प्रारंभिक सूची पर कहा, मुझे लगता है कि हमारे नेता अखिलेश यादव जी ने स्पष्ट कर दिया है कि जितने की क्षमता ही एकमात्र मानदंड है। इसलिए कोई भी कुछ भी मांग सकता है, लेकिन राजनीति में

सर्वमान्य और सार्थक समाधान तक पहुंचने के लिए दिखावे से आगे बढ़ना होगा।हालांकि इस बीच, शुक्रवार को यहां समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने पत्रकारों से कहा, कांग्रेस, सपा और इंडिया गठबंधन को मजबूत किया जाना चाहिए। हमारा साझा लक्ष्य भाजपा को सत्ता से हटाना है। उन्होंने कहा, भाजपा को सत्ता से बाहर करने के लिए हम लोगों को समझाएंगे और हम ऐसा जरूर करेंगे। भाजपा को हराने के लिए यह गठबंधन प्रभावी ढंग से आगे बढ़ेगा। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का जनाधार 1989 के बाद से लगातार घटा है। उस वर्ष पार्टी ने आखिरी बार राज्य में सरकार बनाई थी। कांग्रेस ने 2022 का विधानसभा चुनाव अकेले लड़ा था, लेकिन उसे

केवल दो सीट पर जीत मिली थी। यह संख्या 2017 में जीती गई सात सीट से भी कम थी। हालांकि, 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजे ने पार्टी की उम्मीदें बढ़ाई हैं। उस चुनाव में कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में सपा के साथ गठबंधन करके 80 में से छह लोकसभा सीट जीती थीं जबकि सपा को 37 और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 33 सीट मिली थीं। गौतम ने कहा, 2024 का लोकसभा चुनाव इस बात का प्रमाण है कि दोनों दल (कांग्रेस और सपा) मिलकर सत्ता डाल सकते हैं। इसलिए राजनीति में सार्थक लेन-देन की गुंजाइश होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें उचित सीट बंटवारे की उम्मीद है और दोनों दल मिलकर उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव लड़ेंगे।

भगवान विष्णु के अंश हैं बाल्मीकि के राम- चिदम्बरानन्द

जन्मे कौशल्य़ा के ललनवा बधाई हो बजते ही अयोध्या बना पाण्डाल

संवाददाता लखनऊ। लखनऊ के जानकीपुरम विस्तार की सूर्य अकादमी में चल रही श्रीमद् बाल्मीकि रामायण कथा व्यास स्वामी चिदम्बरानन्द सरस्वती ने राम जन्म प्रसंग का विशद विवेचन करते हुए कहा कि जहां महर्षि बाल्मीकि राम को उन्हें साक्षात भगवान विष्णु का अंश बताते हुए उनके संपूर्ण जीवन को मानवीय सीमाओं और आदर्शों के भीतर मर्यादा पुरुषोत्तम रखा है, वहीं अपनी भक्ति भावना के योग्य होना अनिवार्य होगा।प्रतिभागियों को वीडियो में इस्तेमाल होने वाले संगीत, दृश्यों सहित अन्व रचनात्मक सामग्री के लिए कॉपीराइट मुक्त संसाधनों का उपयोग करना होगा।

में राम जन्म प्रसंग ऐतिहासिक, संयमित और मानवीय मर्यादा पर आधारित है वहीं राम चरित मानस में यह भक्ति-प्रधान और भाव विभोर करने वाला है। उन्होंने कहा कि स्वयं की एक मात्र संतान पुत्री शांता को निरु संतान मित्र को सौंप देने वाले महाराज दशरथ को उसी पुत्री के पति ऋषि श्रंग्य द्वारा पुत्रेष्टि यज्ञ कराने के बाद उन्हें चार पुत्र प्राप्त होते हैं। यह स्वयं उस लीलाह र की लीला नहीं तो और क्या है। बाल्मीकि जी के राम चौत्र शुक्ल नवमी तिथि को पुनर्वसु नक्षत्र में सामान्य,सुंदर और तेजस्वी शिशु के रूप में जन्म लेते हैं। वहां चतुर्भुज स्वामी ने कहा कि बाल्मीकि रामायण

जबकि तुलसी दास के उपास्य भगवान राम चतुर्भुज रूप में प्रकट होते हैं। तुलसीदास और बाल्मीकि की कथा-वस्तु में भले ही कीर्तियोग अंतर हैं तथापि वह निश्चित रूप से मनोहारी हैं। दोनों ने ही इस अवसर को अतिशय सुखद और अयोध्यावासियों के लिए एक पर्व सदृश बताया है। हर भाषा,हर संस्कृति और हर समाज में भगवान राम का चाहे जो स्वरूप बताया गया है परन्तु सभी में उनके जन्म को संपूर्ण जगत और मानवता के लिए सुखद अवसर करार दिया गया है।बाल स्वयं सेवकों द्वारा भगवान के जन्म की मंगलमयी झांकी प्रस्तुत की।इस्री के साथ सोहर जन्मे कौशल्य़ा के

ललनवा,हो रामा बाजे बधाई हो ३ का स्वर गुंजते ही पूरा पाण्डाल जैसे अयोध्या बन झूम उठा। वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया और सुभद्रा भजनों पर श्रोता मंत्रमुग्ध हो वर तक आनंद विभोर हो नृत्य करते रहे। इस मौके पर डॉ सरल अवस्थी,राम किशोर मिश्र ,डॉ भानु प्रताप सिंह ,राम शब्द मिश्रा,विनय कृष्ण पांडेय, अभय कुमार दीक्षित,सुनील कुमार गुप्ता, आरपी अवस्थी,अनिल कुमार श्रीवास्तव, सुशील चंद्र अग्रवाल प्रमोद वैश्य ,मुकेश कौशल,गोपालनिगम,चंद्र शंकर, अवध किशोर मिश्र,श्रीकांत गुप्ता, अतुल दीक्षित और गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

रामजानकी मार्ग डबल मर्डर: चार दिन की पड़ताल के बाद भी हत्या की वजह बेनकाब नहीं

खुलासे में लगाए गए दो पूर्व इंस्पेक्टर, मईल एसओ और एसओजी टीम भी जुटी जांच में

लार/मईल (देवरिया)। मईल थाना क्षेत्र के बढ़या हरदो गांव के पास रामजानकी मार्ग पर दो युवकों की हत्या के मामले में चार दिनों की सघन छानबीन के बाद भी पुलिस हत्या की वजह का पता नहीं लगा सकी है। दोहरे हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने के लिए पुलिस की कई टीमें लगाई गई हैं। लार और मईल थानों में पूर्व में तैनात रह चुके दो इंस्पेक्टरों को भी खुलासे की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मईल एसओ विकास नाथ और एसओजी की टीम पहले से ही जांच में जुटी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों

और संदिग्धों से पूछताछ के जरिए हत्यारों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। रामजानकी मार्ग पर मंगलवार रात दो युवकों के खून से लथपथ शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई थी। मृतकों की पहचान मईल थाना क्षेत्र के ईटहुरा हजाम निवासी विनय यादव और करजहां निवासी वकील यादव के रूप में हुई थी। वारदात के बाद से इंस्पेक्टरों को भी खुलासे की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मईल एसओ विकास नाथ और एसओजी की टीम पहले से ही जांच में जुटी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों

हरखौली चौराहे पर दिनभर खंगाले गए कैमरे शनिवार को पुलिस टीम ने हरखौली चौराहे पर लगे कई सीसीटीवी कैमरों की तलाश की और उनके फुटेज के जरिए घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने का प्रयास किया। जांच में सामने आया है कि घटना वाली रात करीब 11 बजे वकील यादव और विनय यादव बाइक से बढ़या की तरफ जाते दिखाई दिए थे। पुलिस अब उनके रास्ते, आवाजाही और घटनास्थल तक पहुंचने के दौरान की गतिविधियों का मिलान कर रही है। जांच

में रखकर साक्ष्य जुटा रही है। दो युवकों की हत्या किस वजह से की गई, वारदात में कितने लोग शामिल थे और हत्यारे कौन थे, इन सवालों का जवाब अभी नहीं मिल सका है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और पूछताछ से मिली जानकारीयों को जोड़कर मामले का पर्दाफाश करने में जुटी है। दो पूर्व इंस्पेक्टरों को जांच में लगाए जाने के बाद खुलासे की उम्मीद बढ़ी है, लेकिन फिलहाल हत्याकांड की वजह और आरोपितों तक पहुंचना पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ है।



परिसर में उत्सव जैसा माहौल बना हुआ है। वहीं, मेले में आने वाले लोगों की सुरक्षा को देखते हुए धाता पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद है। भीड़भाड़ वाले स्थानों और प्रमुख नुककड़ों पर पुलिस बल की तैनाती कर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने की तैयारी की गई है, ताकि आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके और किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। धाता का यह ऐतिहासिक मेला वर्षों से क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक बना हुआ है। रावण वध के साथ मेले का उत्साह चरम पर पहुंचने की उम्मीद है। स्थानीय लोगों को आज शाम होने वाले इस भव्य आयोजन का बेसब्री से इंतजार है।

बाल विवाह और बाल श्रम के खिलाफ बेढियों को किया जागरूक, विधायक उमा मोर्य ने की अभियान में सहभागिता

गणेश शंकर विद्यार्थी बालिका इंटर कॉलेज में बाल अधिकारों, सुरक्षा और शिक्षा पर हुआ जागरूकता कार्यक्रम

स्वामिमान जागरण संवाददाता फतेहपुर खगा — बाल विवाह और बाल श्रम जैसी सामाजिक कुरीतियों पर रोक लगाने के उद्देश्य से शनिवार को गणेश शंकर विद्यार्थी बालिका इंटर कॉलेज, सुल्तानपुर घोष में जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। ग्रामीण परंपरा विकास संस्थान फतेहपुर की ओर से मिशन शक्ति फेज-6.0 के तहत आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं को बाल अधिकारों, शिक्षा के महत्व और बच्चों के साथ होने वाले शोषण के खिलाफ आवाज उठाने के लिए जागरूक किया गया और वक्ताओं ने बाल विवाह और बाल श्रम को बच्चों के भविष्य में बाधा बताते हुए इनके उन्मूलन के लिए समाज से आगे आने की अपील किया। कार्यक्रम में हुसैनगंज विधायक ऊषा मोर्य मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं, जबकि बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष/मजिस्ट्रेट राजेंद्र प्रसाद साहू विशिष्ट अतिथि रहे। इस दौरान बाल कल्याण समिति के सदस्य रामकृष्ण पांडेय, चाइल्डलाइन प्रभारी नीरू

पाठक, एचटीयू थाना प्रभारी गिरेंद्र पाल सिंह और श्रम विभाग के समन्वयक अमन तिवारी सहित अन्य



लोग मौजूद रहें। बाल विवाह और बाल श्रम पर कानून की दी जानकारी अभियान के दौरान छात्राओं को बताया गया कि कानून के तहत 18 वर्ष से कम उम्र की लड़की और 21 वर्ष से कम उम्र के लड़के का विवाह बाल

साथ होने वाले दुर्यवहार की रोकथाम के लिए जागरूकता को जरूरी बताया गया, एवं उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि बच्चों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना और उन्हें शिक्षा से जोड़ना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में शिक्षा का अधिकार,

कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। छात्राओं से किसी भी तरह के शोषण या उत्पीड़न की स्थिति में चुप रहने के बजाय संबंधित अधिकारियों को सूचना देने की अपील की गई है। मुसीबत में बच्चों की मदद के लिए

बताए हेल्पलाइन नंबर बच्चों की सुरक्षा और सहायता के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला पावर लाइन 1090, साइबर वितीय धोखाधड़ी हेल्पलाइन 1930 और आपातकालीन सेवा 112 एन 108 व 102 एम्बुलेंस की जानकारी दी गई,आयोजकों ने कहा कि जागरूकता और समय पर सूचना देकर बच्चों को शोषण से बचाया जा सकता है और कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजेश शर्मा ने किया।

इस मौके पर रामपाल मोर्य महाविद्यालय के सचिव विकल्प मोर्य, प्राचार्य डॉ. ऊषा श्रीवास्तव, विद्यालय की प्रधानाचार्या नसरीन सिद्दीकी, डॉ. श्रीनाथ मोर्य, धर्मराज मोर्य, देवीदीन मोर्य और बिंदा प्रसाद सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहें। अभियान के निदेशक पुष्पेंद्र कुमार, जिला समन्वयक सुभांशु द्विवेदी और आशुतोष कुमार (सोनी मोदनवाल) ने बच्चों को बाल विवाह और बाल श्रम से मुक्त, सुरक्षित एवं शिक्षित भविष्य उपलब्ध कराने के लिए जनभागीदारी पर जोर दिया।

विंटर शेड्यूल में न मिला नया शहर, बंगलूरू की फ्लाइट हफ्ते में 6 दिन भरेगी उड़ान

संवाददाता आगरा। नई हवाई कनेक्टिविटी की उम्मीद लगाए बैठे आगरा के लोगों को विंटर शेड्यूल में भी निराशा हाथ लगी है। बंगलूरू और नवी मुंबई के अलावा किसी नए शहर के लिए उड़ान नहीं मिली है। 25 अक्टूबर से 27 मार्च 2027 तक पुराने शेड्यूल के तहत ही हवाई सेवा चलेगी। आगरा सिविल टर्मिनल एयरपोर्ट अथॉरिटी के निदेशक विवेक कुमार शर्मा ने बताया कि 21 अक्टूबर को डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने विंटर शेड्यूल को मंजूरी दी है। इसके तहत इंडिगो की बंगलूरू और नवी मुंबई की उड़ानों का संचालन जारी रहेगा।

पांच बदमाश गिरफ्तार: दो दिन तक की रेकी, फिर क्लीनिक में घुसकर लूट, मथुरा के बदमाशों ने की थी वारदात

संवाददाता आगरा। आगरा के दयालबाग में फिजिशियन डॉ. गौरव जैन के क्लीनिक में घुसकर दुस्साहसिक तरीके से लूट की घटना को अंजाम

एसीपी हरीपर्वत बजरंग प्रसाद ने बताया कि घटना 20 अक्टूबर की रात 9: 45 बजे हुई थी। शीतला धाम कॉलोनी, दयालबाग निवासी डॉ. गौरव जैन का आरोप है कि वह क्लीनिक



दने वाले पांच बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनके पास से लूट गई चेन, मोबाइल और घटना में प्रयुक्त थार गाड़ी बरामद की है।

पर अकेले बैठे थे। तभी तीन बदमाश आए। एक ने उनकी कनपटी पर तमंचा लगा दिया। दो ने मोबाइल और सोने की चेन लूट ली। इस

मामले में मांट, मथुरा निवासी करन, ओमप्रकाश, वृंदावन (मथुरा) निवासी सार्थक शर्मा, रोहित और आदित्य प्रताप सिंह उर्फ कृष्णा को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों से 1 तमंचा, 8 मोबाइल, 6220 रुपये, 2 कान की बाली, 1 चेन और 1 थार गाड़ी बरामद की। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि 18 अक्टूबर को क्लीनिक की रेकी की थी। तब करन झूठा बहाना कर मिलने गया था। मगर भीड़ होने की वजह से वापस आ गया। दो दिन बाद वारदात करने आए। करन, आदित्य, मनीष अंदर घुस गए। ओम प्रकाश केबिन के बाहर से नजर बनाए रखा रहा। सार्थक और रोहित गाड़ी में बैठे थे। मनीष और करन तमंचा लेकर आए थे। लूट के बाद गाड़ी से भाग गए। पुलिस को सीसीटीवी फुटेज मिले थे। इसके आधार पर आरोपियों की पहचान हुई। उन्हें पकड़ लिया गया। करन पर मथुरा में पहले से तीन प्राथमिकी दर्ज हैं।

लोहामंडी और ताजगंज जोन में जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र बनवाने के लिए 1 अक्टूबर से लागू किए गए नए नियमों ने लोगों की मुश्किलें बढ़ दी हैं। यह परेशानी दलालों के लिए फायदे का सौदा बन गई है। नगर निगम के जोनल कार्यालयों में बैठे दलाल प्रमाणपत्र बनवाने के लिए लोगों को झांसा दे रहे हैं। नियमों में बदलाव और मुश्किलें



गुणाने के बाद झांसा देकर 4,500 रुपये तक वसूल रहे हैं। अमर उजाला संवाददाता ने लोहामंडी जोनल कार्यालय में जन्म प्रमाणपत्र के लिए बात की तो दलाल ने पहले सर्वर, डाटा गायब होने की मुश्किलें गिनाईं, फिर केंस दिखाकर एक साल का लंबा इंतजार बताया। आखिर में 4,500 रुपये में एक माह के अंदर बिना आए ही प्रमाणपत्र पहुंचाने पर बात पक्की कर ली। हरीपर्वत, छत्ता,

तारीख से 21 दिन के अंदर पंजीकरण कराना अनिवार्य है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय और मुख्य रजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु) के महानिदेशक डॉ. पवन कुमार अरुण के आदेश के तहत 31 दिन से 1 वर्ष तक शहरी क्षेत्र के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी और ग्रामीण क्षेत्र के लिए जिला पंचायत राज अधिकारी से अनुमोदन कराना होगा। एक से दो साल के बीच एससीएम से और 2 वर्ष से अधिक समय बीतने पर प्रथम श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश से पंजीकरण होगा। एसीजेएम-3 को अधिकृत किया गया है लोगों से कहा है कि जटिल मृत्यु का पंजीकरण 21 दिन के भीतर ही करा लें। नगर आयुक्त संतोष कुमार वैश्य ने बताया कि जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रिया को लेकर नगर निगम के चारों जोन की समीक्षा की जा रही है। नए नियमों के कारण फिलहाल कुछ परेशानियां आ रही हैं। लोगों को दलालों के चक्कर में पड़ने के बजाय नगर निगम की हेल्प डेस्क या अधिकृत कर्मचारियों से संपर्क करना चाहिए। पार्षद संजय राय ने बताया कि प्रक्रिया जटिल होने के कारण जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र बनवाने में लोगों को परेशानी हो रही है और दलाल सक्रिय हैं। नगर निगम को सभी लंबित आवेदनों का जल्द निस्तारण करना चाहिए। पुरानी वेबसाइट का डाटा उपलब्ध नहीं होने से भी दिक्कतें बढ़ रही हैं। पार्षद रवि माथुर ने बताया कि ऑनलाइन प्रक्रिया के दावों के बावजूद लोहामंडी में जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र बनवाने के लिए लोगों को

महीनों इंतजार करना पड़ रहा है।

स्वामिमान जागरण

हिन्दी दैनिक

स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक इन्तियाज़ अंसारी द्वारा सुपीरियर प्रिन्टर्स 245 माहम सिटी तिकोनिया पारा लखनऊ,(७०प्र०)-11 से मुद्रित एवं मीडिया हाउस 20ए शिवाजीमार्ग हुसैनगंज लखनऊ ७0प्र0-01 से प्रकाशित।

संपादक

आलोक कुमार केसरवानी

प्रधान संपादक

इन्तियाज़ अंसारी

6392273876

Email-
dainikswabhiman@agran.india@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं अस्थायी है

सम्स्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।

स्वामिमान जागरण संवाददाता